

दैनिक ट्रिब्यून
30/10/2024
गुरुग्राम

सरस मेले में टूटा रिकॉर्ड, 12 करोड़ से अधिक की हुई बिक्री

गुरुग्राम, 29 अक्टूबर (हप्र)

सरस आजीविका मेले ने इस बार पिछले सभी रिकॉर्ड तोड़ते हुए 12 करोड़ रुपये से अधिक की बिक्री दर्ज की है। इसमें देश के विभिन्न क्षेत्रों से आयी 'लखपति दीदियों' के हुनर और आत्मनिर्भरता को नयी पहचान मिली। ग्रामीण भारत की कला और कौशल को समेटे 'सरस आजीविका मेला 2024' मंगलवार को संपन्न हो गया। अंतिम दिन भी आगंतुकों ने उत्पाद खरीदते हुए मेले का भरपूर आनंद लिया।

ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा आयोजित और राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान द्वारा समर्थित यह मेला ग्रामीण उद्यमिता को नयी ऊंचाई पर ले जाने में सफल रहा। समापन समारोह में मेले की 17 दिनों की यादगार यात्रा को दर्शाने वाली एक डॉक्यूमेंट्री फिल्म प्रदर्शित की गई।

इस अवसर पर राष्ट्रीय ग्रामीण मंत्रालय से संयुक्त सचिव स्वाति शर्मा, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन की डायरेक्टर राजेश्वरी एसएम, डिप्टी कमिश्नर निशांत कुमार यादव, एडीसी हितेश कुमार मीणा और राष्ट्रीय ग्रामीण विकास



गुरुग्राम में मंगलवार को सरस मेले के समापन अवसर पर राष्ट्रीय ग्रामीण मंत्रालय की संयुक्त सचिव स्वाति शर्मा अन्य अधिकारियों और प्रतिनिधियों के साथ। -हप्र

एवं पंचायती राज संस्थान के मार्केटिंग विभाग के अधिकारी चिरंजी लाल कटारिया सहित कई गणमान्य व्यक्ति, स्टेट कोऑर्डिनेटर एवं 'लखपति दीदियां' उपस्थित रहीं।

इस मौके पर पुरस्कार समारोह का भी आयोजन हुआ, जिसमें स्वयं सहायता समूह की लखपति दीदियों, स्टेट कोऑर्डिनेटर्स, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन की टीम, अग्निशमन टीम, मेडिकल टीम, वॉलंटियर्स और कुटुंबश्री एनआरओ आदि को

सम्मानित किया गया। साथ ही सभी दीदियों को सर्टिफिकेट प्रदान किए गए।

संयुक्त सचिव स्वाति शर्मा ने सभी दीदियों से आग्रह किया कि वे अपनी सफलता में और दीदियों को भी शामिल करें। उन्होंने बताया कि इस मेले की तैयारियां पिछले छह महीने से चल रही थीं और अब दीदियों को अपने उत्पादों की ब्रांड बिल्डिंग पर ध्यान देना चाहिए। डायरेक्टर राजेश्वरी एसएम ने मेले को सफल बनाने के लिए सभी दीदियों का आभार जताया।

दैनिक जागरण

30/10/2024

गुरुग्राम

बरसा कुबेर का खजाना, 200 करोड़ का हुआ कारोबार

साइबर सिटी में सुबह से ही लोग खरीदारी करने पहुंचे, दोपहर तक बाजारों में ग्राहकों की संख्या दस गुणा हो गई, खूब बिके चांदी के सिक्के

जागरण संवाददाता, गुरुग्राम : धनतेरस पर शहर के ज्वेलरी शोरूम, बर्तन बाजार से लेकर आटोमोबाइल क्षेत्र में भगवान कुबेर का खजाना बरसा। लोगों ने जमकर बर्तनों समेत सोने-चांदी की खरीदारी की। शहर के बाजारों में सुबह से ही धनतेरस को लेकर लोग खरीदारी करने पहुंचे। दोपहर तक बाजारों में ग्राहकों की संख्या दस गुणा हो गई। बर्तन बाजार पूरा दिन गुलजार रहे। स्टील के अलावा तांबे के बर्तनों की भी खूब खरीदारी की गई। इसके अलावा जगह-जगह झाड़ू की दुकानें भी लगी नजर आईं।

1250 से सवा लाख रुपये तक के चांदी के सिक्के : ज्वेलरी शोरूमों में सुबह से लेकर देर रात तक सोने-चांदी की खरीदारी हुई। सोने के रेट बढ़ने के कारण इस बार खरीदारी को लेकर अधिक रुझान दिखा। जिन्होंने नवरात्र में ही सोने की ज्वेलरी की अग्रिम बुकिंग कराई थी उनको काफी लाभ मिला। चांदी के सिक्के 1250 से शुरू होकर सवा लाख रुपये तक के बिके। इनमें भी गणेश-लक्ष्मीजी समेत श्रीराम मंदिर की आकृति बने सिक्कों की मांग अधिक रही। वहीं नोट के डिजाइन वाले सिक्के भी खूब बिके। श्रीराम ज्वेलर्स के डायरेक्टर डा. मंदीप गोगल ने बताया कि नोट की आकृति में सिक्कों पर 10, 20, 50, 100, 200, 250 रुपये बना हुआ रहा। सबसे बड़ा चांदी का एक किलो का सिक्का रहा। श्री गिरिराज साड़ीज एवं ज्वेलर्स के डायरेक्टर अनिल गोगल ने बताया कि लक्ष्मी-गणेशजी वाले चांदी के सिक्कों की मांग अधिक रही। इसके अलावा इस बार चांदी के बर्तन और चांदी की पायल की भी खूब बिक्री हुई है। उन्होंने बताया कि ग्राहकों की मांग के अनुसार ही ज्वेलरी डिजाइन



धनतेरस के अवसर पर गुरुग्राम के सदर बाजार में खरीदारी करने के लिए उमड़े लोग • जागरण

1250 रुपये से लेकर सवा लाख रुपये तक के चांदी के सिक्के बिके

300 से ज्यादा गाड़ियों की विभिन्न शोरूम से की गई डिलीवरी

मिट्टी के दीयों समेत सजावटी सामान की हुई बिक्री

धनतेरस पर माता लक्ष्मी और गणेश जी की मिट्टी से बनी मूर्तियों की बिक्री हुई। इसके अलावा महालक्ष्मी के घर, मिट्टी के दीये समेत अन्य सजावटी सामान की खरीदारी हुई। शहर के सदर बाजार, सेक्टर-14 मार्केट, आर्कडिया मार्केट, गैलरिया मार्केट में भी सजावटी सामान की खरीदारी हुई है।

उपलब्ध कराए गए हैं। लाइट वेट में टैपल ज्वेलरी से लेकर मूर्तियों की भी बिक्री हुई है। गुरुग्राम के सर्राफ



गुरुग्राम के एक कार शोरूम में नए वाहन की खरीदारी करते लोग • जागरण

बाजार में इस बार 200 करोड़ से अधिक कारोबार हुआ। पिछले वर्ष धनतेरस पर केवल 100 करोड़ का

कारोबार हुआ था। आटोमोबाइल क्षेत्र भी चमका : धनतेरस पर दो पहिया से लेकर



न्यू ओल्ड रेलवे रोड स्थित एक बर्तन की दुकान में अपनी बितिया के साथ कलश को पसंद करती महिला • संजय बुलढाटी

चार पहिया गाड़ियों की अच्छी खासी बिक्री हुई। आटोमोबाइल क्षेत्र में दीपावली पर आफर के चलते



धनतेरस पर गुरुग्राम के सदर बाजार स्थित ज्वेलरी शोरूम में चांदी के गणेश-लक्ष्मीजी पसंद करते दंपति • संजय बुलढाटी

धनतेरस पर सोना-चांदी समेत बर्तन खरीदना काफी शुभ माना जाता है। इस बार सोने के रेट बढ़े हैं तो ज्वेलरी शोरूम में लाइट वेट की मूर्तियां भी मिली हैं।

- कंचन

हर साल धनतेरस पर चांदी का सिक्का खरीदती हूँ। इसके साथ मिट्टी से बने दीये और मूर्तियों की भी खरीदारी की है। बाजार में इस बार दीपावली की रौनक दिखाई

दे रही है।

- रीना

लिमिटेड के शोरूम फाइनेंस हेड चंद्र प्रकाश ने बताया कि धनतेरस वाले दिन 50 गाड़ियों की डिलीवरी की गई है। आर्याराइज डीलर जय आटो स्कोडा के गुरुग्राम के शोरूम में धनतेरस को 27 गाड़ियों की डिलीवरी हुई। ओल्ड दिल्ली रोड स्थित चौधरी टीवीएस शोरूम के मैनेजिंग डायरेक्टर सुमित चौधरी ने बताया कि धनतेरस को लगभग 100 दो पहिया वाहन की डिलीवरी हुई। पालम-गुडगांव रोड स्थित पाक्को आटोमोबाइल शोरूम के असिस्टेंट जनरल मैनेजर अनिल यादव ने बताया कि धनतेरस में 150 गाड़ियों की डिलीवरी की गई है। सेक्टर-37 स्थित बीटीटी शोरूम से दो लक्जरी गाड़ियों की डिलीवरी हुई है। नए वाहन और बर्तन की खरीदारी को लेकर बाजारों में सबसे ज्यादा डिमांड देखी गई। लाइट्स और झालर की भी बाजार में खासी डिमांड रही। इस बार लोग वाटर सेसर लाइट्स वाले दीये भी खरीद रहे हैं।

नवभारत टाइम्स

30/10/2024

गुरुग्राम

जज्बा राजस्थान की शांति एमए और बीएड की बाद भी विकलांगता को लेकर घुटती रहती थी, मेले में मिली उड़ान

कभी बोझिल लगती थी जिंदगी, अब अटूट लगाव

■ प्रियंका दुबे मेहता, गुडगांव

अक्षमता और शारीरिक कमजोरी से हार मन कर बैठ जाने वालों से मँजिलें भी नजरे चुरा लिया करती हैं, लेकिन अगर कुछ कर गुजरने का जज्बा हो तो कर्मयाबी की उड़ान भरने से कोई नहीं रोक सकता। इसकी बानगी है सरस मेले में जयपुर से आई शांति कुमारी। वैसे तो वीलचेयर पर हैं, लेकिन उनके होंसला आसमाँ पर हैं।

जयपुर के सांगानेर के गाँव बक्सवाला की शांति बताती हैं कि बीए, एमए और बीएड तक पढ़ाई की, लेकिन अंदर ही अंदर विकलांगता को लेकर घुटती रहती थीं। उन्होंने बताया कि



कई बार उन्हें खयाल आया कि ऐसी जिंदगी का कोई फायदा नहीं है। 2019 में माँ वैष्णव देवी स्वयं सहायता समूह से जुड़ीं तो उनके जीवन में

एक नई रोशनी आ गई। उन्होंने कहा कि पैसे तो जरूरी हैं ही, लेकिन जीने के लिए एक माहौल, सकारात्मक नजरिए और परिवेश भी अहम है,

जो उन्हें इस ग्रुप से जुड़कर मिले। जब वह बाहर निकलीं तो देखा कि दुनिया तो उनकी सोच और नजरिए से काफी बड़ी है। अब वह अपने आपको कमजोर या फिर अक्षम नहीं, बल्कि योद्धा और विजेता समझती हैं। आज केवल कशीदाकारी, ब्लॉक प्रिंटिंग ही नहीं, कई तरह की कारीगरी करती हैं और राजस्थान की संस्कृति की चमक देश के कोने कोने में बिखेर रही हैं। वे अपने ज्ञान की वजह से समूह की डेटा एंट्री सखी भी बनी हुई हैं। शांति कुमारी ने बताया कि वह इस मेले में दूसरी बार आई हैं। उन्होंने बताया कि 17 दिनों में 14 लाख रुपये का बिजनेस किया है।

मेले में 12 करोड़ रुपये से अधिक का हुआ कारोबार

वरिष्ठ संवाददाता, गुडगांव : सरस आजीविका मेले में इस बार पिछले साल का रिकॉर्ड टूटा है। इस बार इसमें 12 करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार हुआ है। मंगलवार को इस मेले का समापन हुआ। पूरे भारत से आई लखपति दीदियों के हुनर और आत्मनिर्भरता को नई पहचान मिली। हस्तशिल्प, मिट्टी के बर्तन, कढ़ाईदार वस्त्र, हाथ से बनी जूली, लोक कला पेंटिंग और खाद्य उत्पादों का यह मेला ग्रामीण उद्यमिता को नई ऊँचाई पर ले जाने में सफल रहा। मंगलवार

को हुए समापन समारोह में 17 दिनों की इस यादगार यात्रा को दर्शाने वाली एक डॉक्युमेंट्री फिल्म प्रदर्शित की गई। इस अवसर पर राष्ट्रीय ग्रामीण मंत्रालय से संयुक्त सचिव स्वाति शर्मा, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन की डायरेक्टर राजेश्वरी एसएम, डिप्टी कमिश्नर निशांत कुमार यादव, एडीसी हितेश कुमार मीणा सहित कई लखपति दीदियाँ उपस्थित रहीं। इस मौके पर पुरस्कार समारोह का भी आयोजन हुआ, जिसमें स्वयं सहायता समूह की लखपति दीदियों, स्टेट कोऑर्डिनेटर आदि को सम्मानित किया।

सरस
आजीविका
मेला

अमर उजाला

30/10/2024

गुरुग्राम

सरस आजीविका मेले में 12 करोड़ से ज्यादा की बिक्री

कार्यक्रम में अंतिम दिन लखपति दीदियों को किया गया सम्मानित

गुरुग्राम। ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा आयोजित सरस आजीविका मेला 2024 का मंगलवार को समापन हो गया। इस वर्ष मेले ने पिछले सभी रिकॉर्ड तोड़ते हुए 12 करोड़ से अधिक की बिक्री दर्ज की, जिससे पूरे भारत से आई लखपति दीदियों के हुनर और आत्मनिर्भरता को नई पहचान मिली। हस्तशिल्प, मिट्टी के बर्तन, कढ़ाईदार वस्त्र, हाथ से बनी ज्वेलरी और खाद्य उत्पादों का काफी बिक्री हुई।

इस अवसर पर राष्ट्रीय ग्रामीण मंत्रालय की संयुक्त सचिव स्वाति शर्मा ने सभी दीदियों से आग्रह किया कि वे अपनी सफलता में और दीदियों को भी शामिल करें। उन्होंने बताया कि मेले की तैयारियां पिछले छह महीने से चल रही थीं, और



लखपति दीदियों के साथ अधिकारी। डीपीआरओ

अब दीदियों को अपने उत्पादों की ब्रांड बिल्डिंग पर ध्यान देना चाहिए। समापन समारोह में 17 दिनों की यात्रा को दर्शाने वाली एक डॉक्यूमेंट्री प्रदर्शित की गई। संवाद

पंजाब केसरी

30/10/2024

गुरुग्राम

सरस मेले ने सभी रिकॉर्ड तोड़ते हुए 12 करोड़ से अधिक बिक्री दर्ज की

गुरुग्राम, एमके अरोड़ा (पंजाब केसरी) : ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा आयोजित और राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान द्वारा समर्थित सरस आजीविका मेला 2024 के समापन के साथ ग्रामीण भारत के कला और कौशल का शानदार सफर आज समाप्त हुआ। इस वर्ष मेले ने पिछले सभी रिकॉर्ड तोड़ते हुए 12 करोड़ से अधिक की बिक्री दर्ज की, जिससे पूरे भारत से आई लखपति दीदियों के हुनर और आत्मनिर्भरता को नई पहचान मिली। हस्तशिल्प, मिट्टी के बर्तन, कढ़ाईदार वस्त्र, हाथ से बनी ज्वेलरी, लोक कला पेंटिंग्स और खाद्य उत्पादों का यह मेला ग्रामीण उद्यमिता को नई ऊंचाई पर ले जाने में सफल रहा। समापन समारोह में 17 दिनों की इस यादगार यात्रा को दर्शाने वाली एक डॉक्यूमेंट्री फिल्म प्रदर्शित की गई। इस अवसर पर राष्ट्रीय ग्रामीण मंत्रालय से संयुक्त सचिव स्वाति शर्मा, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन की डायरेक्टर राजेश्वरी एस एम, डिप्टी कमिशनर निशांत कुमार यादव, ऐडीसी



हितेश कुमार मीणा, और राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान के मार्केटिंग विभाग के अधिकारी चिरंजी लाल कटारिया सहित कई गणमान्य व्यक्ति, स्टेट कोऑर्डिनेटर एवं लखपति दीदियाँ उपस्थित रहीं। इस मौके पर पुरस्कार समारोह का भी आयोजन हुआ, जिसमें स्वयं सहायता समूह की लखपति दीदियों, स्टेट कोऑर्डिनेटर्स, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन की टीम, अग्निशमन टीम, मेडिकल टीम, बॉलेंटियर्स और कुटुंबश्री एनआरओ आदि को सम्मानित किया गया। साथ ही, सभी दीदियों को सर्टिफिकेट

प्रदान किए गए। संयुक्त सचिव स्वाति शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि मेक योर दिवाली ब्राइट, एंड इवन योर दीदी ब्राइट। उन्होंने सभी दीदियों से आग्रह किया कि वे अपनी सफलता में और दीदियों को

भी शामिल करें। उन्होंने बताया कि इस मेले की तैयारियां पिछले छह महीने से चल रही थीं, और अब दीदियों को अपने उत्पादों की ब्रांड बिल्डिंग पर ध्यान देना चाहिए। डायरेक्टर राजेश्वरी एस एम ने सभी दीदियों को मेले को सफल बनाने में दिए योगदान के लिए धन्यवाद दिया। पिछले 17 दिनों में लाखों आगंतुकों ने इस मेले का आनंद लिया और ग्रामीण महिलाओं के उत्पादों में गहरी रुचि दिखाई। अंतिम दिन भी आगंतुकों ने इन अनोखे उत्पादों को खरीदने और इस अनुभव का हिस्सा बनने का भरपूर आनंद लिया।

पायनियर

30/10/2024

गुरुग्राम

सरस मेले में बिक्री ने तोड़ा पिछले साल का रिकॉर्ड

12 करोड़ रुपये से अधिक का सामान बेचा, लखपति दीदियों के हुनर और आत्मनिर्भरता को मिली नई पहचान

● कला और कौशल के शानदार सफर का हुआ मंगलवार को समापन

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा आयोजित और राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान द्वारा समर्थित सरस आजीविका मेला 2024 के समापन के साथ ग्रामीण भारत के कला और कौशल का शानदार सफर समाप्त हो गया। इस वर्ष मेले ने पिछले सभी रिकॉर्ड तोड़ते हुए 12 करोड़ से अधिक की बिक्री दर्ज की, जिससे पूरे भारत से आई लखपति दीदियों के हुनर और आत्मनिर्भरता को नई पहचान मिली। हस्तशिल्प, मिट्टी के बर्तन, कढ़ाईदार वस्त्र, हाथ से बनी ज्वेलरी, लोक कला पेंटिंग्स और खाद्य उत्पादों



सरस आजीविका मेले में लखपति दीदी के साथ अधिकारी।

का यह मेला ग्रामीण उद्यमिता को नई ऊंचाई पर ले जाने में सफल रहा। समापन समारोह में 17 दिनों की इस यादगार यात्रा को दर्शाने वाली एक डॉक्यूमेंट्री फिल्म प्रदर्शित की गई। इस अवसर पर राष्ट्रीय ग्रामीण मंत्रालय से संयुक्त सचिव स्वाति शर्मा, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन की डायरेक्टर राजेश्वरी एस.एम., डिप्टी कमिशनर निशांत

कुमार यादव, एडीसी हितेश कुमार मीणा और राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान के मार्केटिंग विभाग के अधिकारी चिरंजी लाल कटारिया सहित कई गणमान्य व्यक्ति, स्टेट कोऑर्डिनेटर एवं लखपति दीदियां उपस्थित रहीं।

इस मौके पर पुरस्कार समारोह का भी आयोजन हुआ, जिसमें स्वयं सहायता समूह की लखपति दीदियों,

स्टेट कॉर्डिनेटर्स, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन की टीम, अग्निशमन टीम, मेडिकल टीम, वॉलेंटियर्स और कुटुंबश्री एनआरओ आदि को सम्मानित किया गया। साथ ही, सभी दीदियों को सर्टिफिकेट प्रदान किए गए।

संयुक्त सचिव स्वाति शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि मेक योर दिवाली ब्राइट, एंड इवन योर दीदी

ब्राइट। उन्होंने सभी दीदियों से आग्रह किया कि वे अपनी सफलता में और दीदियों को भी शामिल करें। उन्होंने बताया कि इस मेले की तैयारियां पिछले छह महीने से चल रही थीं, और अब दीदियों को अपने उत्पादों की ब्रांड बिल्डिंग पर ध्यान देना चाहिए। डायरेक्टर राजेश्वरी एस.एम. ने सभी दीदियों को मेले को सफल बनाने में दिए योगदान के लिए धन्यवाद दिया। पिछले 17 दिनों में लाखों आगंतुकों ने इस मेले का आनंद लिया और ग्रामीण महिलाओं के उत्पादों में गहरी रुचि दिखाई। अंतिम दिन भी आगंतुकों ने इन अनोखे उत्पादों को खरीदने और इस अनुभव का हिस्सा बनने का भरपूर आनंद लिया। सरस मेला 2024 का यह सफर आने वाले वर्षों में ग्रामीण भारत की और अधिक महिलाओं को सशक्त करने और उनकी आर्थिक स्वतंत्रता के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगा।

हिंदुस्तान

30/10/2024

गुरुग्राम

सरस मेले में 12 करोड़ का कारोबार



गुरुग्राम, कार्यालय संवाददाता।
सेक्टर-29 के लेजरवैली मैदान में 17 दिवसीय सरस आजीविका मेला मंगलवार को समाप्त हो गया। इस वर्ष मेले में पिछले साल का सभी रिकॉर्ड तोड़ते हुए 12 करोड़ से अधिक की बिक्री दर्ज की गई। पिछले साल 11 करोड़ का कारोबार हुआ था।

मेले से पूरे भारत से आई लखपति दीदियों के हुनर और आत्मनिर्भरता को नई पहचान मिली। इसमें हस्तशिल्प,

यादगार यात्रा की डॉक्यूमेंट्री फिल्म प्रदर्शित की

मेला के समापन के साथ ग्रामीण भारत के कला और कौशल का शानदार सफर समाप्त हुआ। समापन समारोह में 17 दिनों की यादगार यात्रा को दर्शाने वाली एक डॉक्यूमेंट्री फिल्म प्रदर्शित की गई। राष्ट्रीय ग्रामीण मंत्रालय से संयुक्त सचिव स्वाति शर्मा, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन की डायरेक्टर राजेश्वरी एसएम समेत लखपति दीदियां उपस्थित रहीं। साथ ही पुरस्कार समारोह का भी आयोजन हुआ।

मिट्टी के बर्तन, कढ़ाईदार वस्त्र, हाथ से बनी ज्वेलरी, लोक कला पेंटिंग्स और खाद्य उत्पादों का यह मेला ग्रामीण उद्यमिता को नई ऊंचाई पर ले जाने में सफल रहा। संयुक्त सचिव स्वाति शर्मा ने कहा कि मेक योर दिवाली ब्राइट, एंड इवन योर दीदी ब्राइट है। उन्होंने सभी दीदियों से आग्रह किया कि वे अपनी सफलता में और दीदियों को भी शामिल करें। इस मेले की तैयारियां

पिछले छह महीने से चल रही थीं। अब दीदियों को अपने उत्पादों की ब्रांड बिल्डिंग पर ध्यान देना चाहिए। डायरेक्टर राजेश्वरी एसएम ने सभी दीदियों को मेले को सफल बनाने में दिए योगदान के लिए आभार जताया। सरस मेला 13 से 29 अक्टूबर तक 17 दिनों में हजारों लोगों ने सरस मेले का आनंद लिया और ग्रामीण महिलाओं के उत्पादों में गहरी रुचि दिखाई।

हरियाणा मेल 30/10/2024 गुरुग्राम

सरस मेले में हुई 12 करोड़ रुपये से अधिक की रिकॉर्ड बिक्री

हरियाणा मेल ब्यूरो

गुरुग्राम। ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा आयोजित और राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान द्वारा समर्थित सरस आजीविका मेला 2024 के समापन के साथ ग्रामीण भारत के कला और कौशल का शानदार सफर समाप्त हो गया। इस वर्ष मेले ने पिछले सभी रिकॉर्ड तोड़ते हुए 12 करोड़ से अधिक की बिक्री दर्ज की, जिससे पूरे भारत से आई लखपति दीदियों के हुनर और आत्मनिर्भरता को नई पहचान मिली। हस्तशिल्प, मिट्टी के बर्तन, कढ़ाईदार वस्त्र, हाथ से बनी ज्वेलरी, लोक कला पेंटिंग्स और खाद्य उत्पादों का यह मेला ग्रामीण उद्यमिता को नई ऊंचाई पर ले जाने में सफल रहा। समापन समारोह में 17 दिनों की इस यादगार यात्रा को दर्शाने वाली एक डॉक्यूमेंट्री फिल्म प्रदर्शित की गई। इस अवसर पर



राष्ट्रीय ग्रामीण मंत्रालय से संयुक्त सचिव स्वाति शर्मा, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन की डायरेक्टर राजेश्वरी एस.एम., डिप्टी कमिशनर निशांत कुमार यादव, एडीसी हितेश कुमार मीणा और राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान के मार्केटिंग विभाग के अधिकारी चिरंजी लाल कटारिया सहित कई गणमान्य व्यक्ति, स्टेट कोऑर्डिनेटर एवं लखपति दीदियां उपस्थित रहीं। इस मौके पर पुरस्कार समारोह का

भी आयोजन हुआ, जिसमें स्वयं सहायता समूह की लखपति दीदियां, स्टेट कोऑर्डिनेटर्स, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन की टीम, अग्निशमन टीम, मेडिकल टीम, वॉलेंटियर्स और कुटुंबश्री एनआरओ आदि को सम्मानित किया गया। साथ ही, सभी दीदियों को सर्टिफिकेट प्रदान किए गए।

संयुक्त सचिव स्वाति शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि मेक योर दिवाली ब्राइट, एंड इवन योर दीदी

ब्राइट। उन्होंने सभी दीदियों से आग्रह किया कि वे अपनी सफलता में और दीदियों को भी शामिल करें। उन्होंने बताया कि इस मेले की तैयारियां पिछले छह महीने से चल रही थीं, और अब दीदियों को अपने उत्पादों की ब्रांड बिल्डिंग पर ध्यान देना चाहिए। डायरेक्टर राजेश्वरी एस.एम. ने सभी दीदियों को मेले को सफल बनाने में दिए योगदान के लिए धन्यवाद दिया। पिछले 17 दिनों में लाखों आगंतुकों ने इस मेले का आनंद लिया और ग्रामीण महिलाओं के उत्पादों में गहरी रुचि दिखाई। अंतिम दिन भी आगंतुकों ने इन अनोखे उत्पादों को खरीदने और इस अनुभव का हिस्सा बनने का भरपूर आनंद लिया। सरस मेला 2024 का यह सफर आने वाले वर्षों में ग्रामीण भारत की और अधिक महिलाओं को सशक्त करने और उनकी आर्थिक स्वतंत्रता के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगा।

अमर भारती

30/10/2024

गुरुग्राम

सरस मेले ने पिछले साल का रिकॉर्ड तोड़ा, 12 करोड़ से अधिक की हुई बिक्री

अमर भारती संवाददाता

गुरुग्राम। ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा आयोजित और राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान द्वारा समर्थित सरस आजीविका मेला 2024 के समापन के साथ ग्रामीण भारत के कला और कौशल का शानदार सफर आज समाप्त हुआ। इस वर्ष मेले ने पिछले सभी रिकॉर्ड तोड़ते हुए 12 करोड़ से अधिक की बिक्री दर्ज की, जिससे पूरे भारत से आई लखपति दीदियों के हुनर और आत्मनिर्भरता को नई पहचान मिली। हस्तशिल्प, मिट्टी के बर्तन, कढ़ाईदार वस्त्र, हाथ से बनी ज्वेलरी, लोक कला पेंटिंग्स और खाद्य उत्पादों का यह मेला ग्रामीण उद्यमिता को नई ऊंचाई पर ले जाने में सफल रहा। समापन समारोह में 17 दिनों की इस यादगार यात्रा को दर्शाने वाली एक डॉक्यूमेंट्री फिल्म प्रदर्शित की गई। इस अवसर पर राष्ट्रीय ग्रामीण मंत्रालय से संयुक्त सचिव स्वाति शर्मा, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन की डायरेक्टर राजेश्वरी एस एम, डिप्टी कमिशनर निशांत कुमार यादव, ऐडीसी हितेश कुमार मीणा, और राष्ट्रीय ग्रामीण



विकास एवं पंचायती राज संस्थान के मार्केटिंग विभाग के अधिकारी चिरंजी लाल कटारिया सहित कई गणमान्य व्यक्ति, स्टेट कोऑर्डिनेटर एवं लखपति दीदियाँ उपस्थित रहीं। इस मौके पर पुरस्कार समारोह का भी आयोजन हुआ, जिसमें स्वयं सहायता समूह की लखपति दीदियों, स्टेट कोऑर्डिनेटर्स, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन की टीम, अग्निशमन टीम, मेडिकल टीम, बॉलेटियर्स और कुटुंबश्री एनआरओ आदि को सम्मानित किया गया। साथ ही, सभी दीदियों को सर्टिफिकेट प्रदान किए गए। संयुक्त सचिव स्वाति शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि मेक योर दिवाली ब्राइट, एंड इवन योर दीदी ब्राइट।

उन्होंने सभी दीदियों से आग्रह किया कि वे अपनी सफलता में और दीदियों को भी शामिल करें। उन्होंने बताया कि इस मेले की तैयारियां पिछले

छह महीने से चल रही थीं, और अब दीदियों को अपने उत्पादों की ब्रांड बिल्डिंग पर ध्यान देना चाहिए। डायरेक्टर राजेश्वरी एस एम ने सभी दीदियों को मेले को सफल बनाने में दिए योगदान के लिए धन्यवाद दिया। पिछले 17 दिनों में लाखों आगंतुकों ने इस मेले का आनंद लिया और ग्रामीण महिलाओं के उत्पादों में गहरी रुचि दिखाई। अंतिम दिन भी आगंतुकों ने इन अनोखे उत्पादों को खरीदने और इस अनुभव का हिस्सा बनने का भरपूर आनंद लिया। सरस मेला 2024 का यह सफर आने वाले वर्षों में ग्रामीण भारत की और अधिक महिलाओं को सशक्त करने और उनकी आर्थिक स्वतंत्रता के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगा।